प्रो० के० के० तिवारी : आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।

प्रो० मधु दंडवते : मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री जी सदन में उपस्थित हैं। मैं एक सुझाव देना चाहता हूं और मुझे विश्वास है कि पूरा सदन उस सुझाव से सहमत होगा।

(व्यवधान)

यह ऐसी बात है जो आपको कहनी चाहिए थी और मैं कह रहा हूं।

(व्यवधान)

मैं जो कुछ कहने जा रहा हूं आप उसका स्वागत करेंगे। कृपया मेरी बात सुनिए। मैंने यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या जहां प्रधान मंत्री बैठते हैं वहां कुछ विशेष प्रबंध किए गए थे। मुझे खुशी है कि आपके सचिवालय ने दो स्वर्गीय प्रधानमंत्रियों—पंडित जवाहरलाल नेहरू और श्रीमती इंदिरा गांधी को स्मृति में बहुत अच्छे स्मारक बनाये हैं। जहां प्रधान मंत्री, श्री राजीव गांधी जी बैठे हैं, वहां एक छोटी धातु की प्लेट है जिस पर लिखा कि श्री जवाहरलाल नेहरू इस सीट पर 20-8-1946 से 27-5-64 तक रहे.....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप मुझे यह लिखित में दे दीजिए और मैं इसे मंत्री महोदय तक दूंगा। वह इस पर विचार करेंगे। मैं इसे देखूंगा।

(व्यवधान)

प्रो० मधु दंडवते : मेरा सुझाव है कि...

उपाध्यक्ष महोदय : आप मुझे यह लिखित में दीजिए और मैं इस पर विचार करूंगा।

अब, कार्यवाही वृत्तांत में कुछ सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

(व्यवधान)**

उपाध्यक्ष महोदय : आप मुझे यह लिखित में दीजिए। कार्यवाही वृत्तांत में कुछ भी सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

12.03 म० प०

श्री लंका की स्थिति के बारे में वक्तव्य

[अनुवाद]

प्रधान मंत्री (श्री राजीव गांधी) : उपाध्यक्ष महोदय, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, श्री एम० जी० रामचन्द्रन, के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल 23 अप्रैल 1985 को मुझसे मिला था और उन्होंने श्रीलंका में हाल की स्थिति के बारे में एक ज्ञापन दिया था।

**कार्यवाही-वृत्तांत में सम्मिलित नहीं किया गया।

उसमें बताया गया था कि श्रीलंका से शरणार्थी अभी आ रहे हैं। पाल्क जलडमरु मध्य में भारतीय मछुआरों की परंपरागत कार्यकलापों पर बुरा असर पड़ा है। इस स्थिति से हमें गहरी चिंता हो रही है। प्रतिनिधिमंडल में भारत सरकार से अनुरोध किया है कि वह श्रीलंका सरकार के साथ यह मामला उठाए, जिससे शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो सके ताकि तमिलनाडु में आए शरणार्थी वापिस जा सकें और दोनों देशों में परम्परागत आर्थिक क्रिया-कलाप पुनः आरम्भ हो सकें।

मैंने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि भारत सरकार श्रीलंका की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और उससे भारत पर पड़ने वाले प्रभाव से हमें चिंता है। हम श्रीलंका सरकार के साथ सामान्य स्रोतों तथा विशेष यात्राओं के माध्यम से निरन्तर संपर्क बनाए हुए हैं। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए मैं राष्ट्रपति जयवर्द्धने को अपने दुःख और चिंता के बारे में अवगत कराऊंगा और सभी संबंधित पक्षों को मान्य राजनीतिक आधार पर इस समस्या को तुरन्त हल किए जाने की आवश्यकता के बारे में बताऊंगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मैंने इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास जारी रखने हेतु एक विशेष सलाह-कार दल का गठन किया है।

12.05 म० प०

सभा-पटल पर रखे गये पत्र

नेशनल इन्स्टीच्यूट फॉर ट्रेनिंग इन इन्डस्ट्रियल इन्जीनियरिंग बम्बई के वर्ष 1983-84 के वार्षिक लेखे, इन पत्रों को सभा-पटल पर रखने में हुए विलम्ब के कारणों का एक विवरण दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखे तथा इन पत्रों को सभा-पटल पर रखने में हुए विलम्ब का एक विवरण, आदि, आदि

[अनुवाद]

शिक्षा मन्त्री (श्री कृष्ण चन्द्र पंत) : मैं निम्नलिखित पत्र सभा-पटल पर रखता हूं :—

(1) नेशनल इन्टीच्यूट फॉर ट्रेनिंग इन इन्डस्ट्रियल इन्जीनियरिंग, बम्बई, के वर्ष 1983-84 सम्बन्धी वार्षिक लेखाओं (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा तत्सम्बन्धी लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की एक प्रति।

(2) उपर्युक्त (1) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलम्ब के कारणों को दर्शाने वाला एक विवरण हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[ग्रन्थालय में रखे गए। देखिए संख्या एल० टी० 77/85]

(3) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, के वर्ष 1983-84 सम्बन्धी वार्षिक लेखाओं (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा तत्सम्बन्धी लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की एक प्रति।